RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 08 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 135 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मराठा आरक्षण: जीआर जारी करने पर भी नहीं बनी बात...

मनोज जरांगे अनशन छोड़ने को तैयार नहीं

मुंबई : पिछले 9 दिनों से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर अनशन कर रहे मनोज जरांगे ने राज्य सरकार का अनशन खत्म करने का अपील को ठुकरा दिया। गुरुवार को राज्य सरकार ने इस संबंध में एक शासनादेश (जीआर) जारी किया। सरकार की तरफ से पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर इस शासनादेश को लेकर मनोज जरांगे के पास पहुंचे, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि जब तक शासनादेश में आवश्यक बदलाव नहीं होंगे, उनका अनशन जारी रहेगा। हालांकि उन्होंने शासनादेश में बदलाव के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल सरकार के पास भेजने पर सहमति जताई है।

सरकार की तरफ से जारी शासनादेश में कहा गया है कि मराठवाडा के जिन लोगों की वंशावली में कुनबी का उल्लेख है, उन्हें कुनबी मराठा के रूप में जाति प्रमाणपत्र दिया जाएगा। जरांगे ने कहा कि हमारे पास वंशावली के कोई दस्तावेज नहीं है। महाराष्ट्र के सभी मराठा समाज को कुनबी प्रमाणपत्र दिया जाए। उन्होंने कहा कि शासनादेश में संशोधन के लिए बातचीत हुई है। इस बारे में प्रतिनिधिमंडल भेजने को कहा गया है। हमारा प्रतिनिधिमंडल सरकार से मिलने जाएगा। मनोज जरांगे ने कहा कि हम काम पूरा करना चाहते हैं, जब तक शासनादेश में सुधार नहीं हो जाता, तब तक मैं पानी भी नहीं पिऊंगा।

बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मराठवाड़ा में जिनके पास राजस्व और अन्य निजामकालीन रिकॉर्ड होंगे, उन्हें कुनबी जाति का प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इन रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति की गठन किया गया है। यह समिति एक माह में अपनी रिपोर्ट देगी। मराठवाड़ा के 8 जिलों में 8550 गांव हैं, जिसमें से 80 गांवों में मराठा कुनबी होने के दस्तावेज मिले हैं। बता दें कि आजादी के समय मराठवाड़ा हैदराबाद के निजाम के अधीन था, इसलिए उस समय के रिकॉर्ड निकाले जा रहे हैं। एक सितंबर को अधिकारियों ने जारांगे को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया था, लेकिन इससे प्रदर्शनकारी उग्र हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने अंतरवाली सराटी गांव में हिंसक भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। इस हिंसा में 40 पुलिसकर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए थे और 15 से अधिक राज्य परिवहन बसों को आग के हवाले कर दिया गया था।

गोविंदा पाठक टीम ने हजरत मखदूम शाह बाबा दरगाह माहिम में अपनी सलामी पेश की

मुम्बई : जन्माष्टमी के अवसर पर मुंबई शहर ने एक अनूठी हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम की।

वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार गोविंदा पाठक टीम ने हजरत मखदूम शाह बाबा दरगाह, माहिम में अपनी सलामी पेश की, प्रबंध ट्रस्टी द्वारा टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

तलोजा में 65 लाख की ड्रग्स जब्त, नवी मुंबई पुलिस की कार्रवाइ... 2 लोग गिरफ्तार

नवी मुंबई : तलोजा के फेज-2 में नवी मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड ने जाल बिछाकर नशे के 2 सौदागरों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से पुलिस ने 650 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया है। जिसकी कीमत 65 लाख रुपए बताई गई है। इस के अलावा पुलिस ने नशे के एक सौदागर की कार भी जब्त किया है, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए बताई गई है। उक्त दोनों मादक पदार्थ किससे लाते थे? इसके अलावा वे किसे बेचने जा रहे थे? इसकी आगे की जांच एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड द्वारा की जा रही है। एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि तलोजा फेज-2 सेक्टर-22 में मारवा बिल्डिंग के पास एक व्यक्ति ड्रग्स बेचने आ रहा है। जानकारी के आधार पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नीरज चौधरी और उनकी टीम ने उक्त बिल्डिंग के पास जाल बिछाया और वहां पर संदिग्ध रूप से आए एक 49 साल के व्यक्ति को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि तलाशी लेने पर इस व्यक्ति के पास से 500 ग्राम एमडी नामक ड्रग्स मिला, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। ड्रग्स को जब्त कर लिया और उसे गिरफ्तार किया गया है।

दही हंडी फोड़ते 35 से अधिक गोविंदा हुए जख्मी, 4 को करना पड़ा भर्ती

मुंबई : मटकी तोड़ने के लिए गुरुवार को सुबह से ही गोविंदाओं की भारी भीड़ उमड़ी। मटकी तोड़ने के लिए पिरामिड बनाए गोविंदाओं में कई गोविंदा ऊपरी पिरामिड से गिर जा रहे थे जिसके चलते शाम ६ बजे तक मुंबई में लगभग 35 गोविंदा गिरकर जख्मी हो गए थे जिसमे मुंबई के शहर में 28 गोविंदा जख्मी हुए जबकि पूर्व उपनगर में 3 और पश्चिम उपनगर में 4 गोविंदा जख्मी हुए।घायल हुए गोविंदाओं में सबसे अधिक 16 गोविंदा केईएम अस्पताल में ईलाज के लिए आये थे जिसमे 14 गोविंदाओं को मरहम पट्टी कर घर जाने दिया गया जबकि 2 गोविंदा को इलाज के लिए भर्ती किया गया। इसी तरह सायन अस्पताल में 7 गोविंदाओं को इलाज के लिए लाया गया था जिसमे सभी

को मरहम पट्टी कर घर जाने दिया गया। नायर में 1 , जेजे में 2 जीटी में 1 जख्मी गोविंदा को इलाजे के लिए लाया गया मरहम पट्टी करने के बाद घर जाने दिया गया। पूर्व उपनगर में राजवाड़ी में 3 जख्मी गोविंदा को लाया गया था सभी को मरहम पट्टी कर घर जाने दिया गया। पश्चिम उपनगर में व्ही एन देशाई अस्पताल में 2 और कूपर अस्पताल में 2 घायल गोविंदा को लाया गया है इन चारो गोविंदाओं को मरहम पट्टी कर घर जाने दिया गया। गुरुवार को पूरे मुंबई में दहीहंडी की धूम मची रही । सुबह से शुरू हुई भारी बारिश ने मटकी फोड़ने वालो के लिए और चार चांद कर दिया ।मटकी तोड़ते समय लोग पानी का फव्वारा गोविंदाओं पर करते है लेकिन गुरूवार सुबह से ही इंद्र देव गोविंदाओं पर आसमान से बारिश कर उन्हे सराबोर कर रहे थे ।गुरुवार को तड़के सुबह 4 बजे से जो बारिश शुरू हुई वह देर शाम तक जारी रही। भारी बारिश का गोविंदा पथक भी जमकर आनंद ले रहे थे। बारिश पिछले महीने अगस्त में पूरे महीने गायब रही सितंबर महीने में भी बारिश नही होने का अनुमान लगाया गया था। इस बीच गुरुवार को गोविंदा के दिन तड़के सुबह से भारी बारिश जो शुरू हुई वह देर शाम तक जारी रही ।

शिंदे गुट विधायक मंगेश कुडालकर ने किया दही हंडी का अयोजन

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) कुर्ला पूर्व अभुयोदा बैंक के सामने शिंदे गुट की दही हंडी का अयोजन किया गया है ।जिसमें बड़ी संख्या में मुंबई के विभिन्न हिस्सों से आये गोविंदा पथक मंडलों ने सात थार की दही हंडी बनाकर पुरस्कार की ट्रॉफी वा नगद इनाम जीता । वही खबर लिखे जाने तक काफी ऊंचाई में बंधी गई दही हंडी को अभी कोई गोविंदा पथक नही तोड़ पाया है । दूसरी ओर हर वर्ष दही हंडी का कार्यक्रम करने वाले शिंदे गुट कुर्ला पूर्व शिवसेना विधायक मंगेश कुंडलकर ने मिडिया से बातचीत में कहा की ।यह एकनाथ शिंदे ,देवेंद्र फडणवीस सरकार की देन हैं की सभी धर्म समुदाए को उनके त्यवाहारों को बगैर किसी प्रतिबंधों के मानने में लगे है ।पूर्व की सरकारों में त्यवाहारों और उत्साह में कोरोना के नाम पर प्रतिबंध लगाये जाते रहे है ।

संपादकीय / लेख

कश्मीर का हितैषी नहीं पाकिस्तान

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अनुच्छेद–370 को हटाए जाने के विरुद्ध दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई और अब फैसले की प्रतीक्षा है। इस विषय पर हुई बहस को कश्मीर के ऐतिहासिक संदर्भ में देखना होगा। महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय में कोई शर्त नहीं थोपी थी। राज्य में जनमत संग्रह करने का सुझाव लार्ड माउंटबेटन की ओर से आया था। वह उनका व्यक्तिगत सुझाव था। अनुच्छेद 370 का भारतीय संविधान में प्रविधान कोई अंतरराष्ट्रीय समझौता नहीं था। यह केंद्र सरकार और राज्य के बीच कोई अनुबंध भी नहीं था। जनमत संग्रह और आत्मनिर्णय के अधिकार को लेकर कई भ्रांतियां हैं। जनमत संग्रह दो देशों के बीच एक का चुनाव था। आत्मनिर्णय मानवाधिकार का अंग है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में आत्मनिर्णय के अधिकार की बड़ी हल्की झलक मिलती है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड और फ्रांस के नियंत्रण में दुनिया का बड़ा हिस्सा था और उन्हें उपनिवेशों की स्वतंत्रता में कोई रुचि नहीं थी। भारत 1948 में कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले गया, उसी वर्ष यूनिवर्सल डिक्लेरेशन आफ 'मन राइट्स की घोषणा हुई। यह मानवाधिकारों का सबसे मूल दस्तावेज समझा जाता है। इसमें आत्मनिर्णय के अधिकार की कोई बात नहीं की गई। जब कश्मीर रियासत का भारत में विलय हो गया तो वहां की जनता को भारतीय संविधान के तहत सारे अधिकार मिल गए। जब अनुच्छेद 370 भारतीय संविधान का हिस्सा बना, तब सीमा पार की स्थिति को भी समझना होगा और इसके लिए हमें 1947 में जाना पड़ेगा। मुस्लिम कांफ्रेंस के कार्यकर्ता यूसुफ सर्राफ ने दो भागों में कश्मीर का इतिहास लिखा है। उन्हें सरदार इब्राहिम ने, जो गुलाम कश्मीर के पहले राष्ट्रपति थे, बताया था कि उन्होंने अपनी अंतरिम सरकार की घोषणा रावलपिंडी से आने वाले दो फोन काल्स के आधार पर की थी। एक फोन रावलपिंडी के कमिश्नर ख्वाजा रहीम ने और दूसरा कर्नल अकबर खान की बेगम नसीम ने किया। कर्नल अकबर ने न केवल कबायली हमले का खाका बनाया, बल्कि उस हमले का नेतृत्व भी किया। इस हमले की अनुमति प्रधानमंत्री लियाकत अली खान ने दी थी। इसकी तैयारी कश्मीर रियासत के भारत में विलय के पहले ही कर ली गई थी।

यह भी रोचक है कि जो पाकिस्तान कश्मीर में जनमत संग्रह का मुद्दा हर जगह उठाता है, उसने स्वयं इसे तीन बार ठुकराया। पहली बार जनमत संग्रह का सुझाव माउंटबेटन ने जिन्ना को 2 नवंबर, 1947 को दिया। जिन्ना ने उसमें कोई रुचि नहीं ली यानी पाकिस्तान की कश्मीर पर मूल नीति को पाकिस्तान के निमार्ता ने ही ठुकरा दिया। इसकी वजह यह थी कि जिस समय माउंटबेटन ने यह सुझाव दिया, उस समय कबायली हमला चल रहा था। कबायलियों ने हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों के संग मुसलमानों के साथ भी लूट–मार की और उनकी महिलाओं का अपहरण किया। जिन्ना जानते थे कि ऐसी अवस्था में जनमत संग्रह का नतीजा उनके पक्ष में नहीं आएगा। दूसरी बार जनमत संग्रह का सुझाव संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनधि ओवेन डिक्सन ने 1950 में दिया। उन्होंने कहा कि यह जनमत संग्रह क्षेत्रीय स्तर पर होना चाहिए। एकल जनमत के नतीजे में कई जगह अल्पमत समुदाय के छोटे–छोटे समूह बचे रहेंगे, जिन्हें बाद में विस्थापित होना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत इसके लिए तैयार था, लेकिन पाकिस्तान ने मना कर दिया। पाकिस्तान का कहना था कि क्षेत्रीय जनमत एकल जनमत के सिद्धांत से अलग था। उसका यह भी कहना था कि अगर जम्मू–कश्मीर दोनों देशों के बीच बांटा जाए और यदि कश्मीर घाटी उसे मिले तो वह इसके लिए तैयार है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

जागर महिला स्त्री सशक्तिकरण का मंगला गौरी स्पर्धा कार्यक्रम में दिखाया दमखम

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) शिवसेना शिंदे गुट विभाग क्रमांक 10. की ओर से जागर महिला सशक्तिकरण मंगला गौरी स्पर्धा कार्यक्रम में भारतीय सांस्कृतिक की छाप महिलाओं ने गजब का नृत्य कर के दिखाया अपनी कला का जौहर , दमखम दिखा कर किया । उल्लेखनीय तौर पर आज शाम गोवंडी देवनार के आसिफ जोगिली हॉल में देखने को मिला । वही दूसरी ओर आज मंगला गौरी स्पर्धा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न मंडलों की प्रतिभागी महिलाओ ने स्पर्धा में हिस्सा लिया ।

वहीं जागर स्त्री सशक्तिकरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कामिनी राहुल शेवाले ,मराठी फिल्म अभिनेत्री साहित शिवसेना शिंदे गुट विभाग प्रमुख परमेश्वर कदम विशेष तौर पर उपस्थित हुए । बताते है की पूरे नृत्य कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक विभिन्न प्रतिभागी महिला मंडलों की महिलाओं ने अपनी प्रस्तुति दी । जिसमें श्रोतागणों ने तालियों की बौछार कर के प्रतिभागी महिलाओ का उत्साह बढ़ाने का कार्य किया ।

वहीं पत्रकारों से बातचीत करती हुई कामिनी राहुल शेवाले ने कहा की हर वर्ष सावन के महीने में जागर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है । जिसमें बड़ी संख्या में भारत देश महाराष्ट्र राज्य की मराठी संस्कृति के दर्शन होते है ।वही मराठी सिनेवंत अभिनेत्री ने कहा की सावन महीना महिलाओ को उत्साह से भर देता है । वही इसी महिने में मंगला गौरी कार्यक्रम में महिलाओ की कला के दर्शन होते है ।वहीं अगर राजनीतिक पंडितों के आकलन मे गौर करें तो बहुत ही कम समय में शिंदे गुट को लेकर ऐसा ही कुछ मामला मानखुर्द-शिवाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में देखने को मिल रहा है । जिस जगह पर पिछले 13 वर्षो से सपा विधायक अबू आसिम आजमी का एक छात्र राज करते चले आ रहे है । वहीं पर आज शिंदे गुट शिवसेना ,आप जैसी पार्टी सपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाब हो गए है । कहा जाता हैं की घाटकोपर कामराज नगर के पूर्व शिवसेना नगरसेवक वा वर्तमान शिंदे गुट विभाग प्रमुख परमेश्वर कदम जब से विभाग प्रमुख की कमान संभाली । सपा के गढ़ गोवंडी शिवाजीनगर-मानखुर्द निर्वाचन क्षेत्र में अबू आजमी को राजनीतिक चुनवती देंने का कार्य किया है ।

मोबाइल देने से किया मना तो पत्थर मारकर उतारा मौत के घाट,

साथी मजदूर की हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

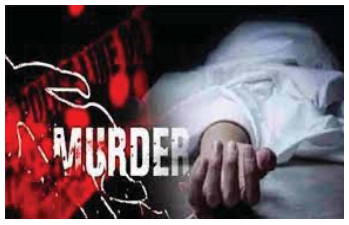

ठाणे : साथी मजदूर की हत्या करने के आरोप में महाराष्ट्र पुलिस ने ओडिशा के तीन मजदूरों को गिरफ्तार किया है। ये सभी मजदूर निर्माण कार्यों में जुटे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने साथी मजदूर को इसलिए मार दिया, क्योंकि उसने कॉल करने के लिए अपना फोन देने से इनकार कर दिया था।

अंबरनाथ इलाके में तालाब में मिला शव

पुलिस ने बताया कि 4 सितंबर को मुंबई के बाहरी इलाके अंबरनाथ में एक तालाब में एक व्यक्ति का शव मिला, जिससे हड़कंप मच गया। व्यक्ति के शरीर पर कई चोटों के निशान थे। पुलिस की जांच में पता चला कि वो एक निर्माण श्रमिक लालजी सहाय (32) है।

ओडिशा के हैं सभी आरोपी

शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अशोक भगत ने कहा कि जांच से पता चला है कि पीड़ित, जो अंबरनाथ पालेगांव में एक निर्माण क्षेत्र में काम कर रहा था, उसके सहकर्मियों ने उसकी हत्या कर दी। सभी आरोपी ओडिशा के थे।

पत्थर और लोहे की रॉड से किया वार

अधिकारी के अनुसार, आरोपियों में से एक पीड़ित के मोबाइल फोन का इस्तेमाल अपने गांव में कॉल करने के लिए करना चाहता था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। मना करने से नाराज तीनों आरोपियों ने उसके सिर पर पत्थर से वार किया और लोहे की रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उन्होंने शव को एक तालाब में फेंक दिया। अधिकारी ने कहा कि खुफिया सूचनाओं से पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिली, जिनकी पहचान शंभू मांजी, मनोदीप और चिल्ला मांजी के रूप में हुई। पुलिस को संदेह है कि अपराध में एक अन्य व्यक्ति भी शामिल था, जिसके लिए जांच जारी है।

मुंबई में बारिश का दौर फिर शुरू, गर्मी से मिली राहत

मुंबई : मुंबई में लगभग एक महीने के लंबे अंतराल के बाद बृहस्पतिवार से बारिश का दौर फिर शुरू हो गया जिससे बढ़ती गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान शहर और उपनगरों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। शहर में मध्यम से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण मुंबई की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। वाहन चालकों का कहना है कि बारिश के कारण यातायात धीमा हो गया है। उपनगरों में मुख्य सड़कों पर कुछ स्थानों पर भारी जाम लग गया।

वाहन चालकों का कहना है कि लंबे अंतराल के बाद हुई बारिश से सड़कों पर फिसलन हो गई और ब्रेक लगाने के बाद दोपहिया और चार पहिया वाहनों के फिसलने की कुछ घटनाएं भी हुई हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) मुंबई ने अगले 24 घंटों के लिए 'शहर और उपनगरों में हल्की से मध्यम बारिश' का अनुमान जताया है।

अधिकारी ने बताया कि सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में द्वीप शहर में 8.11 मिलिमीटर, पूर्वी उपनगरों में 15.87 मिलीमीटर और पश्चिमी उपनगरों 12.45 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि अरब सागर में शाम चार बजकर 43 मिनट 3.05 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंक है। ऐसे में भारी बारिश के साथ उंची लहर उठने से बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं।

मुंबई/ ३९८ विजेताओं ने म्हाडा का घर कर दिया सरेंडर

मुंबई : महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) लॉटरी के लगभग १० फीसदी भाग्यशाली विजेताओं ने एक महीने से भी कम समय में जीते हुए घरों को सरेंडर कर दिया है, जो इस बात को दशार्ता है कि सरकारी घर अब किफायती नहीं हैं। इस साल, म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने अपने लॉटरी ड्रॉ के माध्यम से बिक्री के लिए ४,०८२ मकानों की पेशकश की। हैरानी की बात यह है कि ४,०८२ घरों में से चार के लिए एक भी आवेदन प्राप्त नहीं हुआ और केवल ४,०७८ इकाइयों के लिए आवंटन प्रक्रिया शुरू की गई।

इन ४,०७८ घरों में से अब तक ३९८ विजेताओं ने म्हाडा का घर खरीदने का मौका सरेंडर कर दिया है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, ७० अन्य लोगों ने अभी तक अपने दावों को स्वीकार नहीं किया है या आत्मसमर्पण नहीं किया है। ये ४ सितंबर तक उपलब्ध आँकड़े थे। सोमवार को म्हाडा की ओर से ३,५१५ प्रोविजनल ऑफर लेटर ऑनलाइन जारी किए गए। हाउसिंग लॉटरी ड्रॉ १४ अगस्त को आयोजित किया गया था। लॉटरी ड्रॉ के इस

संस्करण में उपलब्ध ४,०८२ घरों के लिए, १,२०,१४४ पात्र आवेदन थे। म्हाडा का कार्य आमजनों को उचित दरों पर घर मुहैया कराना है, लेकिन यह इस बार के लॉटरी में देखने को नहीं मिला।

घरों की कीमत इस हद तक पहुंच गई है कि लोगों द्वारा सरेंडर करना पड़ रहा है। हालांकि, जिस चीज पर ध्यान नहीं दिया गया वह कथित किफायती घरों की ऊंची और अप्राप्य कीमतें हैं। यहां तक कि बदनापुर के भाजपा विधायक नारायण कुचे, जिन्होंने दो घर जीते और वे भी म्हाडा के सबसे महंगे घर क्रिसेंट टावर, तारदेओ, ७.५८ करोड़ रुपए लागत के घर खरीदने में असमर्थ हैं, क्योंकि जिस उद्देश्य के लिए घर का उल्लेख किया जा रहा है, वह उस उद्देश्य के लिए होम लोन की व्यवस्था करने में असमर्थ हैं।

गड्ढे में धंसा मिट्टी का मलबा, जमीन के 15 फुट नीचे फंसे 3 मजदूर, भगवान बनकर आए दमकल कर्मी

अंबरनाथ : अंबरनाथ के फॉरेस्ट नाका इलाके में महानगर गैस की पाइप लाइन की मरम्मत का कार्य करने के लिए 15 फुट गहरा गड्ढा खोदा गया था। काम करते समय मिट्टी धंस जाने से उसमें तीन मजदूर फंस गए। दमकल कर्मियों ने एक घंटे की कड़ी मेहनत कर तीनों मजदूरों को बाहर निकालने

कामयाबी हासिल की। इलाज के लिए उन्हें उल्हासनगर स्थित सरकारी सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत ठीक है।

स्थानीय केबी रोड़ स्थित फॉरेस्ट नाका पर महानगर गैस स्टेशन है और यहीं से पूरे शहर में महानगर गैस की आपूर्ति की जाती है। इस स्टेशन पर आने वाली मुख्य महानगर गैस लाइन की मरम्मत के दौरान 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था। इस गड्ढे से बड़े-बड़े पत्थर भी निकाले गए थे।

मुंबई में दही हांडी उत्सव की तैयारी जोरों पर, 'गोविंदा' के लिए BMC ने कर रखे हैं खास इंतजाम

मुंबई : देशभर में आज कृष्ण जन्माष्टमी की धूम मची है। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। कृष्ण जन्माष्टमी के चलते मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में आज दही हांडी उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इसके चलते बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) ने भी पूरे इंतजाम कर रखे हैं। बीएमसी ने कहा कि उसने शहर के नागरिक अस्पतालों में 125 बिस्तर तैयार रखे हैं ताकि किसी 'गोविंदा' (उत्सव में भाग लेने वाले) को अगर दही हांडी उत्सव के दौरान मानव पिरामिड बनाते वक्त चोट लगती है तो उसे भर्ती कराया जा सके। बीएमसी ने कहा कि भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गोविंदा हवा में लटकी 'दही हांडी' को तोड़ने के लिए मानव पिरामिड बनाते वक्त कई बार घायल हो जाते हैं। बीएमसी ने आगे कहा कि 125 बिस्तरों में से 10 सायन अस्पताल में, सात केईएम अस्पताल में, चार नायर अस्पताल में और शेष शहर और उपनगरों के विभिन्न नागरिक अस्पतालों में तैयार रखे गए हैं। जानकारी के अनुसार, इन अस्पतालों में घायल गोविंदाओं के इलाज के लिए तीन शिफ्टों में स्वास्थ्य कर्मियों को तैनात किया गया है, जिन्हें इंजेक्शन और दवाएं आदि तैयार रखने का निर्देश दिया गया है।

प्राथमिक उपचार की भी व्यवस्था

जिन गोविंदाओं को मामूली चोटें आई हैं, उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जाएगा और छुट्टी दे दी जाएगी, जबकि जिन लोगों को लंबे समय तक इलाज की जरूरत है, उनके इलाज के लिए अस्पतालों में व्यवस्था की गई है।

बता दें कि दही हांडी कार्यक्रम के कुछ आयोजक मटकी तोड़ने में

'मामले को गंभीरता से लें', बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को लगाई फटकार,

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मुंबई सिलसिलेवार ट्रेन विस्फोट मामले से जुड़ी अपीलों में प्रतिनिधित्व करने के लिए नए विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) की नियुक्ति नहीं करने पर महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाई. न्यायमूर्ति नितिन साम्ब्रे और राजेश पाटिल की खंडपीठ ने कहा, मामले को गंभीरता से लें. जबकि ट्रायल कोर्ट ने 2015

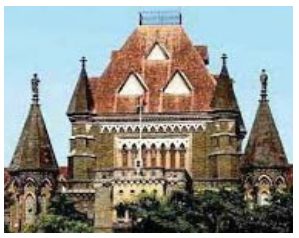

में इस मामले में पांच आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन इसकी पुष्टि के साथ-साथ उच्च न्यायालय में आरोपियों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है. उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई, 2006 को मुंबई में शाम के समय लोकल ट्रेनों में सात विस्फोट हुए, जिसमें 180 से अधिक लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. जब अपीलें बुधवार को सुनवाई के लिए आईं, तो अदालत को सूचित किया गया कि राज्य सरकार ने अभी तक एक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त नहीं किया है.

क्यों सुनवाई स्थगित कर दी गई?

वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे को एसपीपी नियुक्त किया गया था क्योंकि उन्होंने मुकदमे के दौरान अभियोजक के रूप में कार्य किया था. लेकिन उन्होंने अपीलीय स्तर पर एसपीपी के रूप में कार्य न करने की इच्छा व्यक्त की, इसलिए सुनवाई स्थगित कर दी गई. सरकार ने फिर से ठाकरे से संपर्क किया और उनसे जानकारी लेने का अनुरोध किया. लेकिन अदालत को बताया गया कि उनकी नियुक्ति की शर्तें अभी तय नहीं हुई हैं.

समय मांगने पर पीठ ने नाराजगी क्यों जाहिर की?

वहीं, बुधवार को जब सरकार ने और समय मांगा तो पीठ ने नाराजगी जाहिर की. न्यायधीशों ने कहा, ह्लक्या आप इन अपीलों के साथ इसी तरह व्यवहार कर रहे हैं? सरकार इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है. हम कल सुबह राज्य के गृह विभाग के मुख्य सचिव को बुलाकर जवाब मांगेंगे.ह्व आखिरकार, उच्च न्यायालय ने सरकार को 8 सितंबर तक इस मुद्दे को सुलझाने का निर्देश दिया और कानून और न्यायपालिका विभाग के एक अधिकारी को उस दिन उपस्थित रहने का निर्देश दिया. जस्टिस साम्ब्रे ने कहा, ह्लहमें मध्य स्तर के अधिकारी नहीं चाहिए, हम सरकार से कोई चाहते हैं. अगर परसों तक एसपीपी की नियुक्ति पर उपरोक्त मुद्दे पर विफलता होती है, तो हम कानून और न्यायपालिका विभाग के प्रमुख सचिव को बुलाएंगे. अदालत ने यह भी संकेत दिया कि वह 5 अक्टूबर से दैनिक आधार पर अपीलों की सुनवाई शुरू करने के इच्छुक है.

पानी उपलब्ध कराने में देरी... 11 सितंबर को एमएमआरडीए के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन

वसई : मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) द्वारा ७० से ८० मिलियन लीटर अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराया जाना था। इसके लिए वसई-विरार शहर महानगरपालिका के माध्यम से लगातार पत्राचार हुआ। इसके बावजूद एमएमआरडीए समय पर पानी उपलब्ध नहीं१ करा रहा है। इससे महानगरपालिका के नागरिक प्यासे हैं। इस पानी को तुरंत उपलब्ध कराने के लिए पालघर जिला शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की तरफ से ११ सितंबर को दोपहर ११ बजे मुंबई-बांद्रा स्थित एमएमआरडीए के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में छह सितंबर को उनसे व्यक्तिगत मुलाकात कर निवेदन दिया जा चुका है। पालघर शिवसेना जिला कार्यकारिणी ने बताया कि इस आंदोलन में शिवसेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिला संगठन सहित वसई-विरार शहर की आम जनता

बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाली है। वसई-विरार शहर मनपा की वर्तमान जनसंख्या लगभग २४ लाख है। इस आबादी की पानी की मांग ३७२ मिलियन लीटर है। वसई-विरार मनपा को सभी स्त्रोतों से २३० मिलियन लीटर पानी ही मिल रहा है और १४२ मिलियन लीटर पानी की कमी है। इस पानी की कमी को पूरा करने के लिए एमएमआरडीए की सूर्या कंपनी की ओर से (४०३ मिलियन लीटर) जलापूर्ति योजना से महानगरपालिका क्षेत्र में १६५ मिलियन लीटर पानी लाने के लिए वाटर सप्लाई नेटवर्क बिछाने का काम चल रहा है। साथ ही काशिद-कोपर से ७० से ८० मिलियन लीटर पानी उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कदम पूरे कर लिए गए हैं। उक्त बढ़ा हुआ पानी जुलाई के अंत तक वसई-विरार मनपा को उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद थी, लेकिन एमएमआरडीए के माध्यम से अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने में जानबूझकर देरी की जा रही है। एमएमएडीएच की लापरवाही के कारण ये समस्या हो रही है। पालघर जिला शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के माध्यम से एमएमआरडीए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व जिलाप्रमुख शिरीष चव्हाण, उपजिलाप्रमुख दिलीप पिंपले, लोकसभा संगठक जनार्दन पाटील, उप जिलाप्रमुख प्रवीण म्हाप्रलकर, महिला जिला संगठक किरण चेंदवणकर, शिवसैनिक एवं स्थानीय लोगों की मदद से यह आंदोलन किया जाएगा। ये जानकारी जिलाप्रमुख पंकज देशमुख ने दी है।

मुंबई में नया फ्लैट खरीदने के लिए नहीं जुटा पाए पैसे तो गढ़ दी फर्जी डकौती की कहानी

मुंबई: मुंबई में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. पुलिस के अनुसार एक शख्स जब अपने नए फ्लैट को खरोदीने के लिए तय रकम देने में असफल रहा तो उसने फर्जी डकौती की एक कहानी गढ़ दी. लेकिन वह उस वक्त पकड़ा गया जब पुलिस ने उस से सख्ती से पूछताछ की. पुलिस ने आरोपी की पहचान अजीत पटेल के रूप में की है.

सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा...

पुलिस के सामने कबूला जुर्म

उन्होंने कहा कि जैसे ही शिकायतकर्ता को एहसास हुआ कि पुलिस ने उसकी लूट की शिकायत को गलत पाया है, उसने पुलिस को सच्चाई बताई और माना कि उनके साथ कोई डकैती नहीं हुई है. पुलिस के अनुसार अजीत के साथ दूसरा व्यक्ति उसका ड्राइवर था. अजीत पटेल ने पुलिस को बताया कि उसने एक फ्लैट खरीदा था, लेकिन चूंकि वह 35 लाख रुपये जुटाने में विफल रहा, जिसका उसे भुगतान करना था. उसने अपनी डकैती की एक कहानी गढ़ी ताकि उसे इस पैसे का भुगतान करने के लिए अधिक समय मिल सके.

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया अजीत पटेल ने, जो अंधेरी ईस्ट का रहने वाला है,पुलिस से खुदके साथ डकौती होने की शिकायत की थी. इसके बाद हमने जांच शुरू की. अजीत ने पुलिस को बताया कि उनके साथ डकौती बाइक सवार शख्स ने की थी. लेकिन जब पुलिस ने बताई गई जगह के आस पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो इसमें कोई ऐसी घटना नहीं दिखी. इसके बाद पुलिस को अजीत और उसके साथी पर शक हुआ. पुलिस अधिकारी ने कहा कि माटुंगा पुलिस ने घटना के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने के लिए पटेल और उनके साथ आए एक अन्य व्यक्ति से पूछताछ शुरू की.

दोनों आरोपियों के बयान अलग-अलग

दोनों से अलग-अलग पूछताछ की. इस दौरान जिस डकैती की घटना के बारे में वे बात कर रहे थे, उसके बारे में पुलिस को उनके बयानों में एकरूपता नहीं दिखी. इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और सीसीटीवी फुटेज की जांच की. पुलिस अधिकारी ने कहा, तकनीकी सहायता की मदद से उन्होंने पाया कि वहां कोई डकैती नहीं हुई थी.

स्कूल में अभ्यास सत्र के दौरान सिर में भाला घुसने से किशोर की मौत!

मुंबई : महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित एक विद्यालय में अभ्यास सत्र के दौरान 15 वर्षीय छात्र की सिर में भाला घुसने से मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यास सत्र के दौरान अन्य छात्र द्वारा फेंका गया भाला लड़के के सिर में घुस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हुजेफा दावरे अपने जूते के फीते बांधने के लिए झुका था और उसे यह अंदाजा नहीं था कि नुकीली चीज उसकी ओर आ रही है।

दिल दहला देने वाला यह मामला बुधवार दोपहर जिले के मनगांव तालुका के गोरेगांव स्थित पुरार में आईएनटी इंग्लिश स्कूल का है, जहां बच्चे विद्यालय के मैदान में भाला फेंकने का अभ्यास कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि दावरे भी भाला फेंक दल का हिस्सा था, जो तालुका स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि अभ्यास सत्र चल रहा था कि तभी एक साथी छात्र ने भाला फेंका। अधिकारी के मुताबिक, हालांकि दावरे यह भांपने में विफल रहा कि नुकीली लंबी छड़ उसकी दिशा में ही आ रही है। बच्चा अपने जूते के फीते बांधने के लिए जैसी ही झुका, भाला उसके सिर में आकर लगा।

अधिकारी ने बताया कि सिर में भाला लगने के बाद बच्चा मौके पर ही गिर गया। लगातार बह रहे खून से छात्र की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिले की गोरेगांव पुलिस ने फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं भाला फेंकने वाले छात्र की ओर से तो कोई लापरवाही नहीं हुई। पुलिस ने विद्यालय और खेल मैदान को कवर करने वाले सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी मांगी है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

अधर में लटके ४०० करोड रुपए के विकास कार्य

मुंबई : पुणे के पालकमंत्री चंद्रकांत पाटील और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बीच चल रहे शीतयुद्ध के कारण ४०० करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं अधर में लटकी हुई हैं। जिला योजना समिति की बैठक में ४०० करोड़ का विकास कार्य मंजूर किया गया है। इन मंजूर विकास कार्यों के मिनट्स पर हस्ताक्षर न करने का दबाव अधिकारियों पर बनाया जा रहा है। परिणामस्वरूप अधिकारियों के हस्ताक्षर के बिना ४०० करोड रुपए के विकास कार्य अधर में लटके हुए हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि अगर दस्तखत हुए तो पवार और अधिक देरी हुई तो पाटील 'देखेंगे', यानी दोनों दादाओं के कोपभाजन के शिकार अधिकारी होंगे। इस बात को लेकर अधिकारी डरे हुए है। महाविकास आघाड़ी सरकार में तत्कालीन पालकमंत्री रहे अजीत पवार ने अंतिम समय में ८०० करोड़ रुपए के कामों को मंजूरी देकर जिला के नेताओं और कार्यकताओं को खुश किया था। परंतु चंद्रकांत पाटील ने पालकमंत्री का पद संभालने के साथ ही मंजूर कामों में कटौती कर भाजपा बाहुल्य वाले क्षेत्रों के लिए ४०० करोड़ रुपए की निधि को मंजूरी दी। अब ४०० करोड़ रुपए बिना हस्ताक्षर के अटक गए हैं, क्योंकि अधिकारियों पर उन विकास कार्यों को मंजूरी देनेवाली बैठक के मिनट्स पर हस्ताक्षर न करने का दबाव बनाया जा रहा है।

इन दोनों 'दादाओं' की दबंगई के कारण संबंधित विकास कार्य ठप पड़े हैं। अब फिर राजनीतिक समीकरण बदले और पवार के सत्ता में शामिल होने के बाद समस्या खड़ी हो गई है। जिस बैठक में निधि को मंजूरी दी गई थी, उसके मिनट्स को अंतिम रूप नहीं दिया गया था। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, पवार ने मिनट्स को अंतिम नहीं होने दिया और इससे एक विवाद उत्पन्न हो गया। पाटील के हस्ताक्षर करने के दबाव और पवार के हस्ताक्षर न करने के विशेष प्रयासों के कारण अधिकारी भी असमंजस में हैं।

बोरीवली में लगेगा सक्सेस का सिक्सर

मुंबई : 'डांडिया क्वीन' की उपाधि से सुशोभित फाल्गुनी पाठक बोरीवली में शो ग्लिट्ज इवेंट्स एंड एंटरटेनमेंट' द्वारा आयोजित नवरात्रोत्सव में लगातार छठीं बार परफॉर्म करने जा रही हैं। लोगों की मांग का सम्मान करते हुए फाल्गुनी पाठक एक बार फिर गुजराती बहुल 'बोरीवली क्षेत्र में अपने गीतों और गायकी के जादू से गरबा रसिकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। साल 2016 से फाल्गुनी बोरीवली में नवरात्रि के दौरान परफॉर्म कर रही हैं। डांडिया क्वीन की नवरात्रि बोरीवली स्थित स्वर्गीय प्रमोद महाजन मैदान में आयोजित होने जा रही है। बोरीवली में शो ग्लिट्ज इवेंट्स एंड एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में फाल्गुनी पाठक ने पत्रकारों से कहा कि पिछले साल हमने गरबा प्रेमियों के लिए एक नया गाना पेश किया था। इस साल मंच से क्या नया होगा, इसे हम सस्पेंस रखना चाहेंगे। मैं विश्व के सबसे लंबे नृत्य महोत्सव में सभी का स्वागत करती हूँ। इस संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित उत्तर मुंबई के सांसद श्री गोपाल शेट्टी ने कहा कि उत्तर मुंबई का सौभाग्य है कि डांडिया क्वीन फाल्गुनी पाठक लगातार छठी बार बोरीवली में प्रस्तुति दे रही हैं।

जालना लाठीचार्ज की घटना को लेकर आदित्य ने की राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात

मुंबई : जालना लाठीचार्ज की घटना को लेकर शिवसेना नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बुधवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस से मुलाकात की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि राज्यपाल इस मामले में कार्रवाई सुनिश्चित करें। राज्यपाल से मुलाकात के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा, हम चाहते हैं कि राज्यपाल इस मामले में कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा, यह सरकार बेकार है, मैं नहीं कह रहा हूं। बल्कि सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश में भी ऐसी ही टिप्पणी की गई है। सिर्फ शब्द अलग इस्तेमाल हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर पिछले एक हफ्ते से आंदोलन जारी है। जालना में आंदोलन के बीच हुए लाठीचार्ज को लेकर पूरे राज्य में माहौल गरमाया हुआ है। विपक्ष ने इस घटना निषेध किया और सीएम एकनाथ शिंदे से अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की है। हालांकि लाठीचार्ज की घटना को लेकर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सरकार की तरफ से माफी मांगी हैं। बीते दिन महाराष्ट्र सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल मराठा आरक्षण के लिए आठ दिन से भूख हड़ताल पर बैठे मनोज जारांगे को हड़ताल खत्म करने के लिए मनाने में मंगलवार को नाकाम रहा। वहीं, मराठा आंदोलन के नेता मनोज जारांगे पाटिल ने आरक्षण के लिए एकनाथ शिंदे सरकार को चार दिन का समय दिया है। जरांगे पाटिल जालना जिले के अंतरवाली सारथी गांव में 29 अगस्त से अनशन पर बैठे है। उन्होंने कहा कि अगर आरक्षण को लेकर अनुकूल निर्णय नहीं लिया गया तो वह चार दिन बाद पानी और तरल पदार्थ लेना बंद कर देंगे। सरकार अब तक जारांगे से दो बार संपर्क कर उनसे अनशन वापस लेने का आग्रह कर चुकी है, लेकिन उन्होंने हटने से इनकार कर दिया है।

SC ने रद्द किया आरक्षण

उल्लेखनीय है कि मराठा समुदाय को महाराष्ट्र सरकार की नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दाखिले में वर्ष 2018 में आरक्षण दिया गया था, जब फडणवीस राज्य के मुख्यमंत्री थे। हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने मई 2021 में कुल आरक्षण की सीमा 50 फीसदी होने सहित अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया था।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com